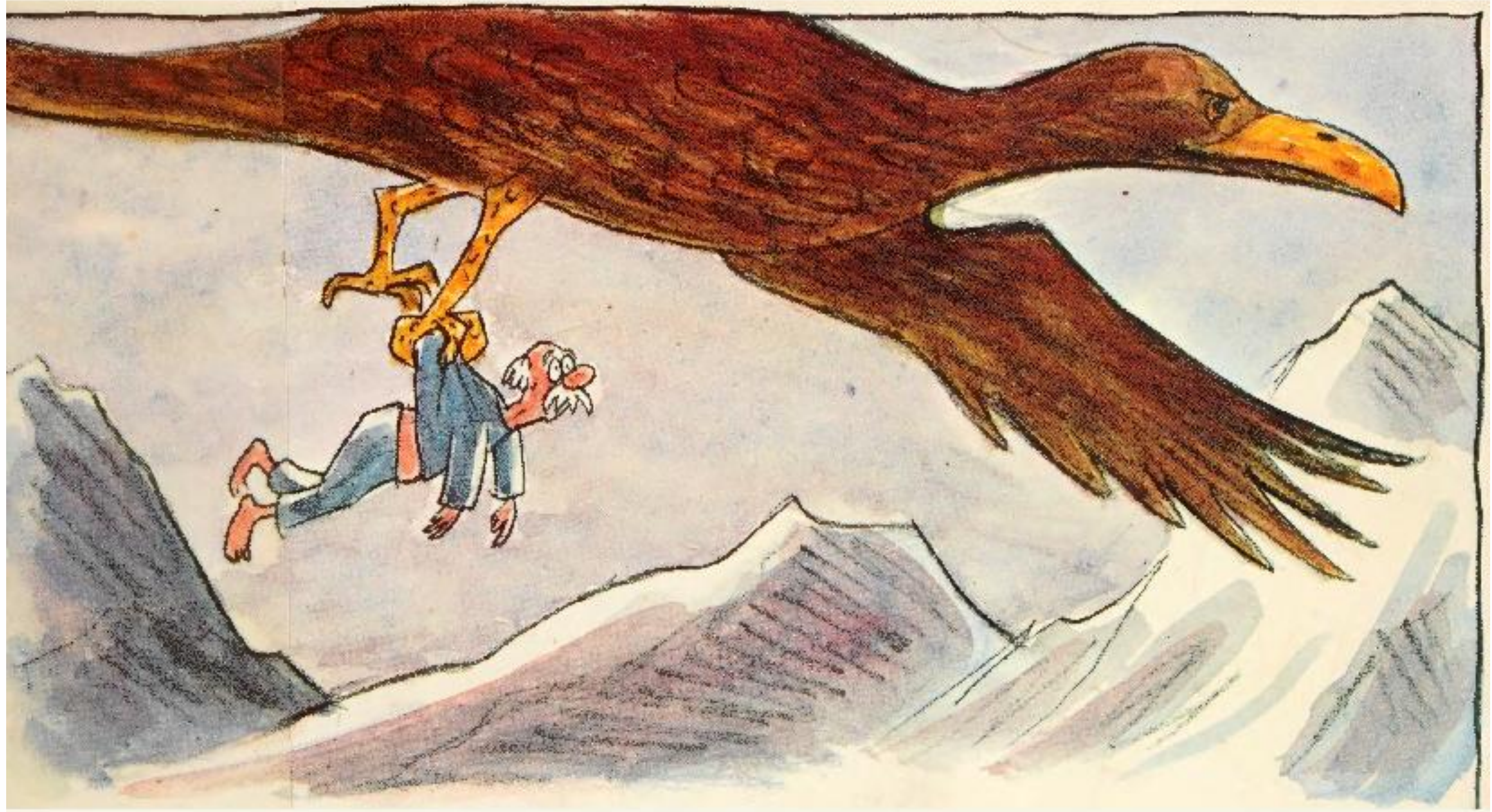


"और भी बुरा हो सकता था!"

लेखक: जेम्स स्टीवेन्सन

हिंदी: शर्ली जेकब

दादाजी के घर में हमेशा सब कुछ एक जैसा ही रहता था। हर दिन दादाजी वही नाश्ता करते और अपना नीरस अख़बार पढ़ते। और हर दिन, चाहे कुछ भी हो जाए, वे वही कहते— "और भी बुरा हो सकता था!"

लेकिन जब लूई ने कहा कि दादाजी के साथ कभी कुछ रोमांचक हो ही नहीं सकता, तो दादाजी ने उनकी बात सुन ली।

अगले दिन नाश्ते पर दादाजी ने एक रोमांचक कहानी सुनाई—इतनी अद्भुत कि मैरी ऐन और लुई अपनी हैरानी छुपा नहीं सके।

और जब दादाजी की कहानी खत्म हुई, तो अंदाज़ा लगाओ उन्होंने क्या कहा?



"और भी बुरा हो सकता था!"

लेखक: जेम्स स्टीवेन्सन

हिंदी: शर्ली जेकब





"और भी बुरा हो सकता था!"



दादाजी के घर में हमेशा सब कुछ एक जैसा ही रहता था।



दादाजी हमेशा एक जैसा ही नाश्ता करते। हर रोज़ वे अखबार पढ़ते।



और वे हर बार वही कहते थे



चाहे कुछ भी हो।

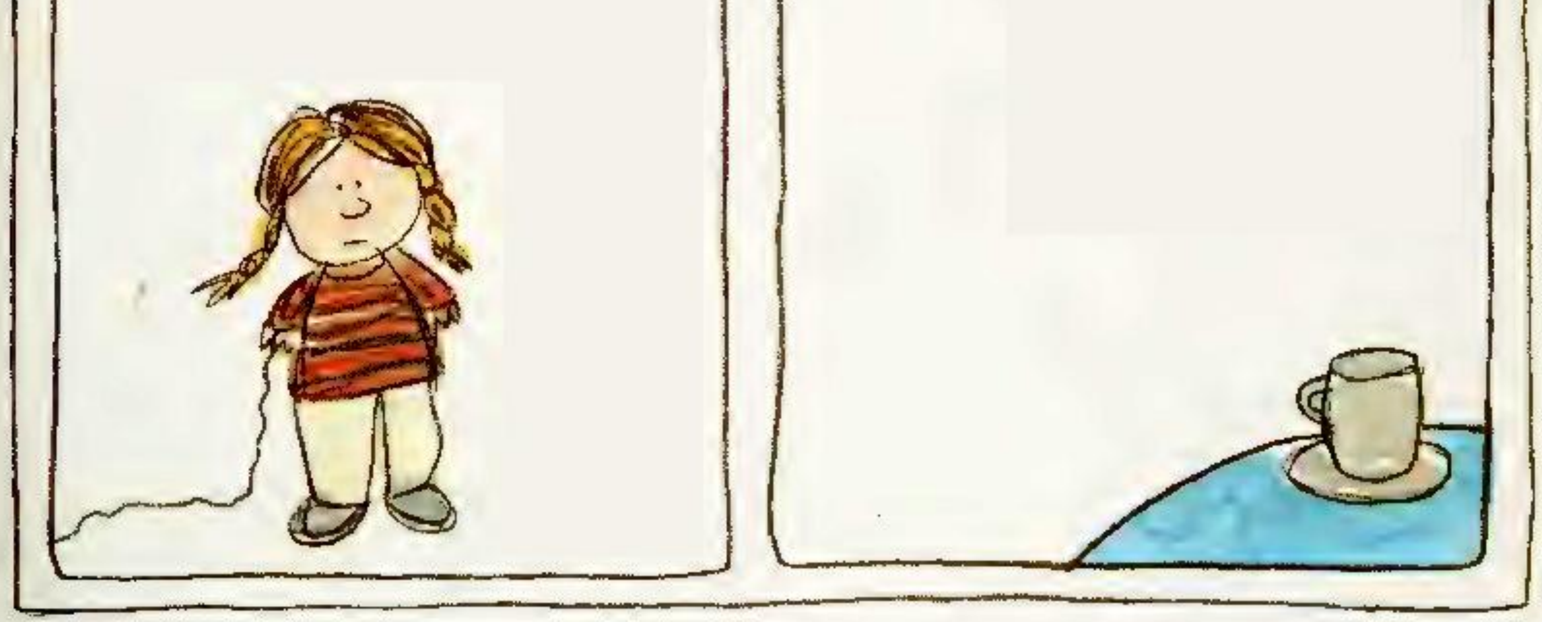
"मेरी उंगली में काँटा
चुभ गया, दादाजी।"

"और भी बुरा हो सकता था।"



"मेरी साइकिल पंचर हो गई,
जूते में छेद है और मेरी
पतंग पेड़ में फँस गई।"

"और भी बुरा हो
सकता था!"





एक दिन मैरी ऐन ने कहा, "ऐसा क्यों है कि दादाजी कभी कोई दिलचस्प बात नहीं कहते?" लूई ने कहा, "शायद इसलिए क्योंकि उनके साथ कभी कुछ दिलचस्प होता ही नहीं।"



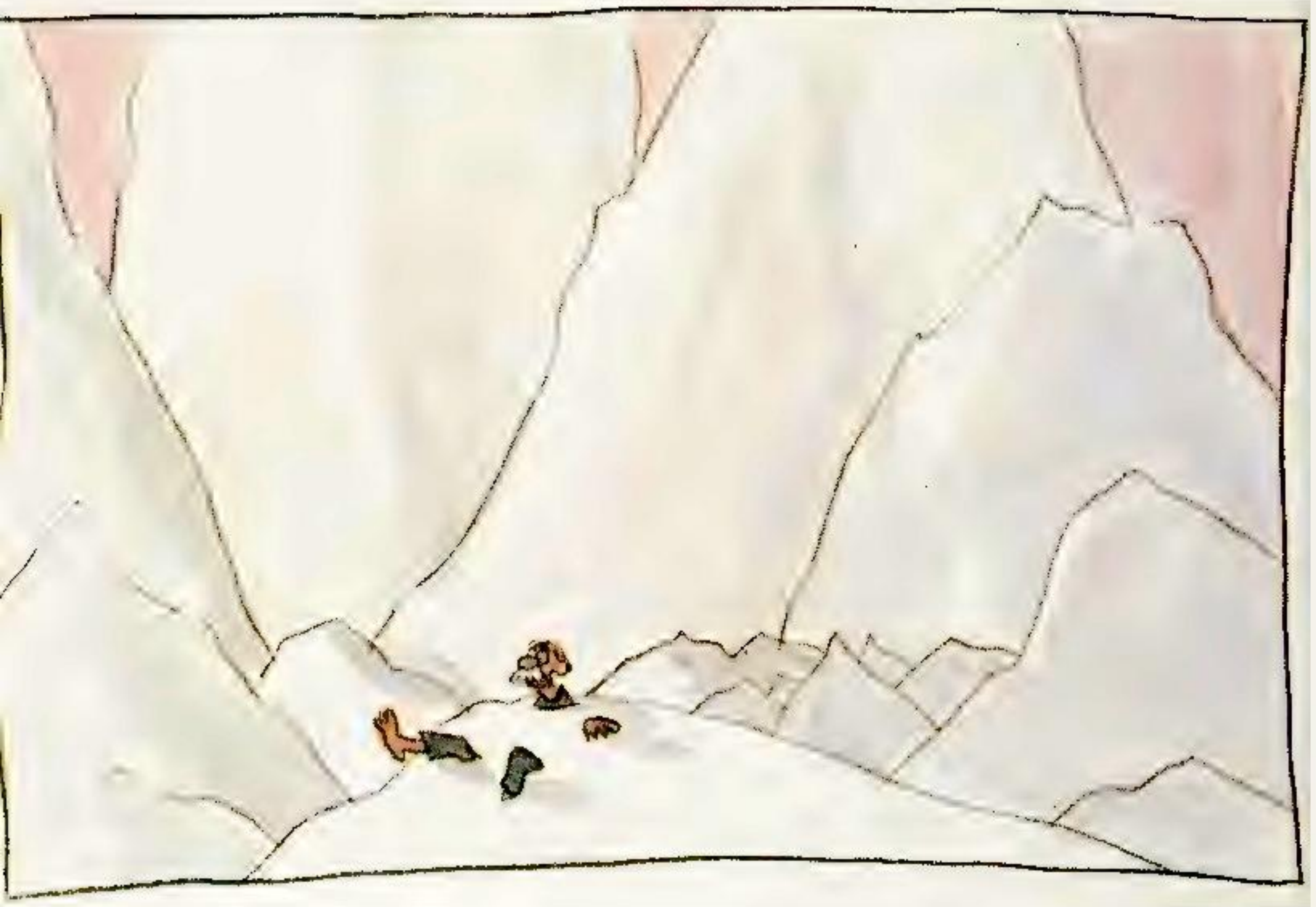
अगली सुबह नाश्ते के समय दादाजी ने कुछ अलग कहा। "उन्होंने कहा, 'अंदाज़ा लगाओ!'



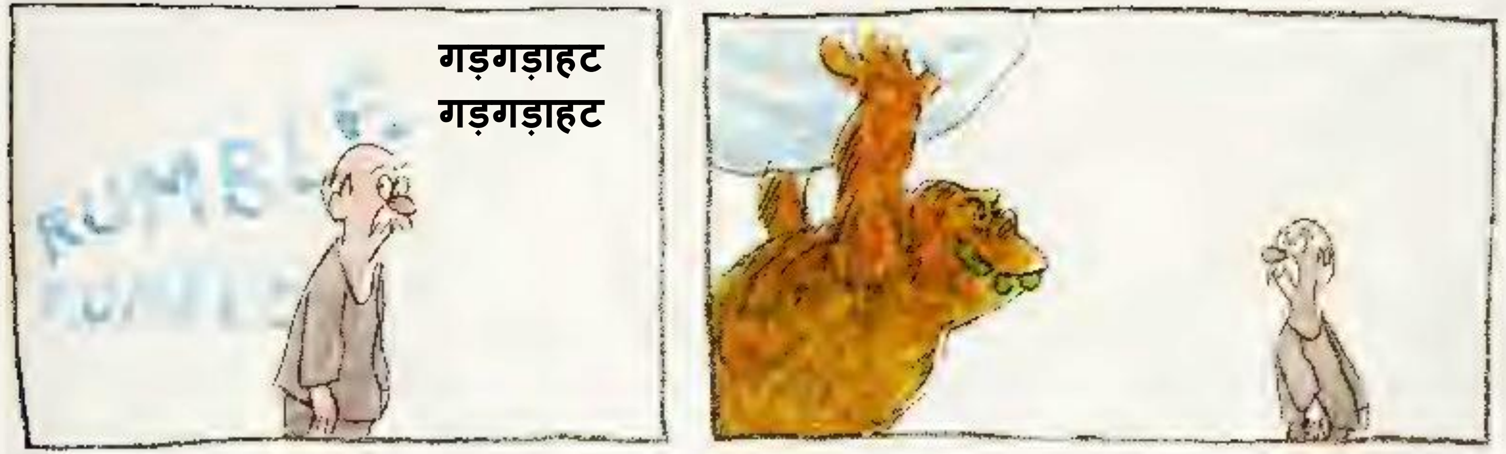
कल रात जब मैं सो रहा था,



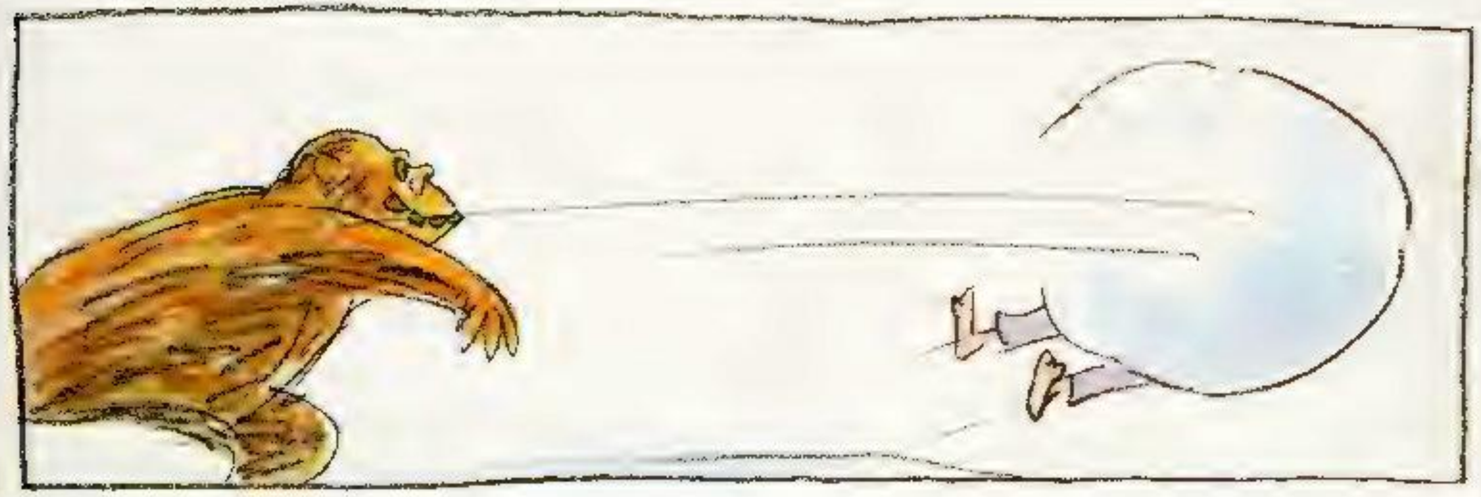
एक बड़ी चिड़िया ने मुझे बिस्तर से उठा
लिया और मुझे एक लंबी सवारी पर ले गई



और मुझे पहाड़ों में गिरा दिया।



मैंने एक आवाज़ सुनी। वह एक विशालकाय हिममानव था जिसके पास एक बड़ा सा बर्फ का गोला था

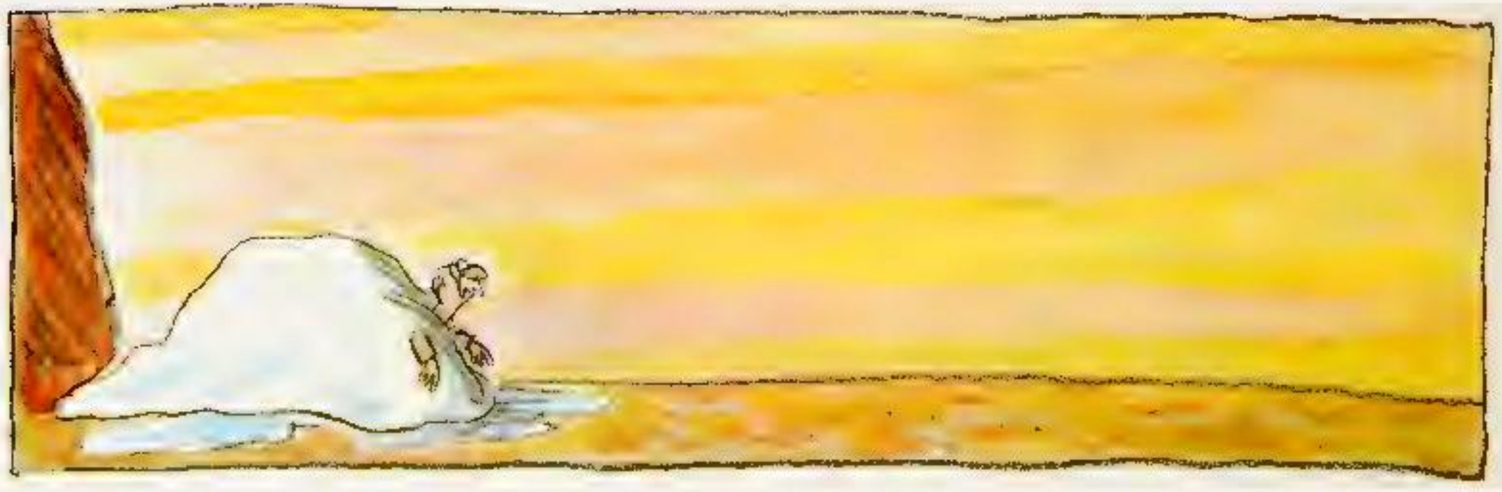


जो उसने मेरी तरफ फेंका।

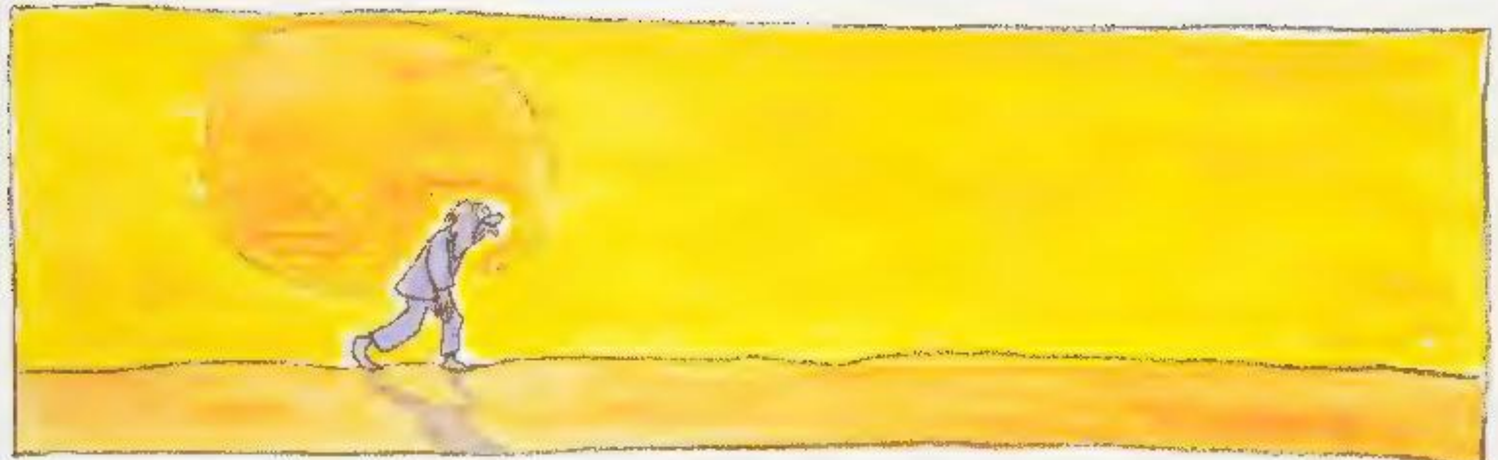




मैं उसमें फँस गया और वह गोला लुढ़कते-लुढ़कते ..



रेगिस्तान में जा गिरा और पिघलने लगा।



मैं रेगिस्तान पार करने लगा। अचानक ..



मुझे क़दमों की आहट सुनाई दी जो करीब आती जा रही थी।

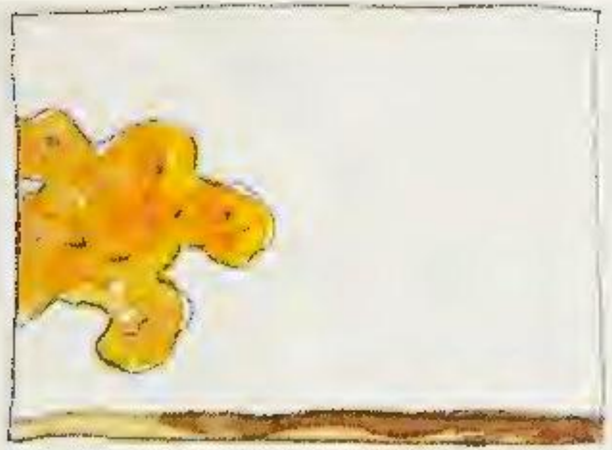


थोड़ी देर बाद मैं किसी विशालकाय चीज़ से कुचल गया।





इससे पहले कि मैं उठ पाता, मैंने एक अजीब सी आवाज़ सुनी,
मेरी तरफ़ एक विशाल मुरब्बे का ढेर आ रहा था।

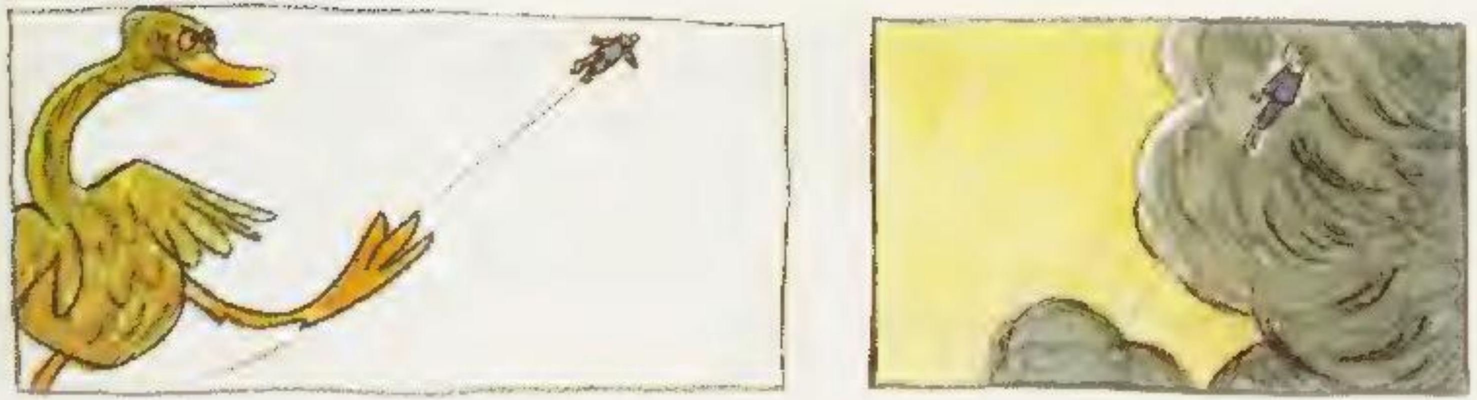




उसने मुझे रेगिस्तान के पार तब तक दौड़ाया जब तक......



मैं किसी लंबी चीज़ से टकरा गया।
यह शुतुरमुर्ग जैसा कुछ था और बहुत गुस्से में था।

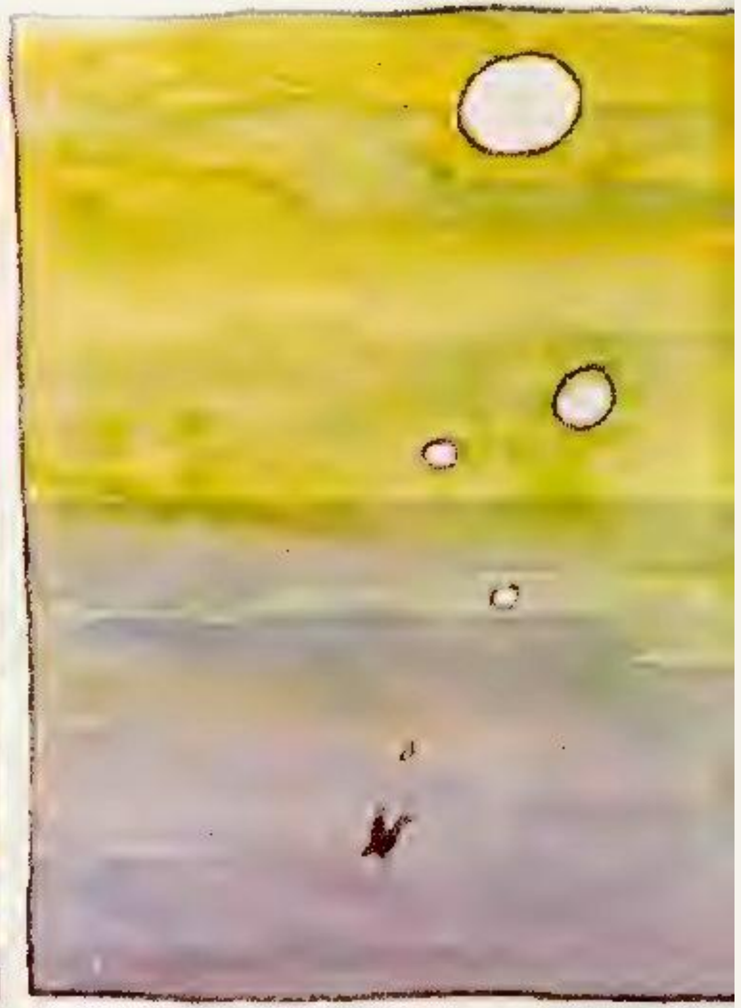


उसने मुझे एक ज़ोर की लात मारी। मैं तूफानी बादलों में ऊपर चला गया,



लगभग बिजली से टकरा गया, बादलों से बाहर गिर गया,

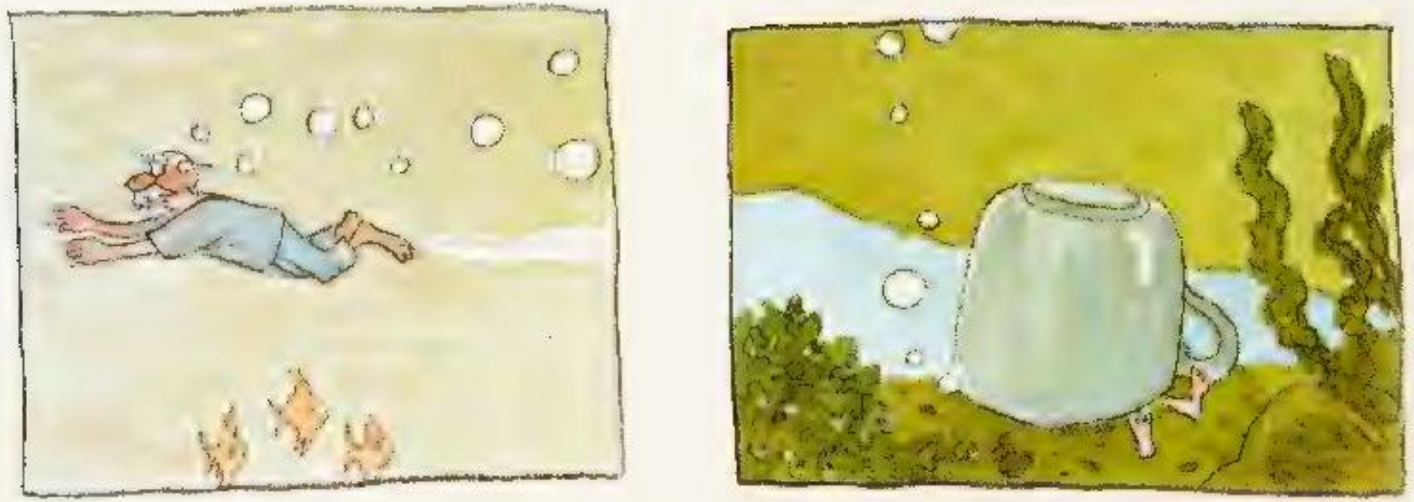




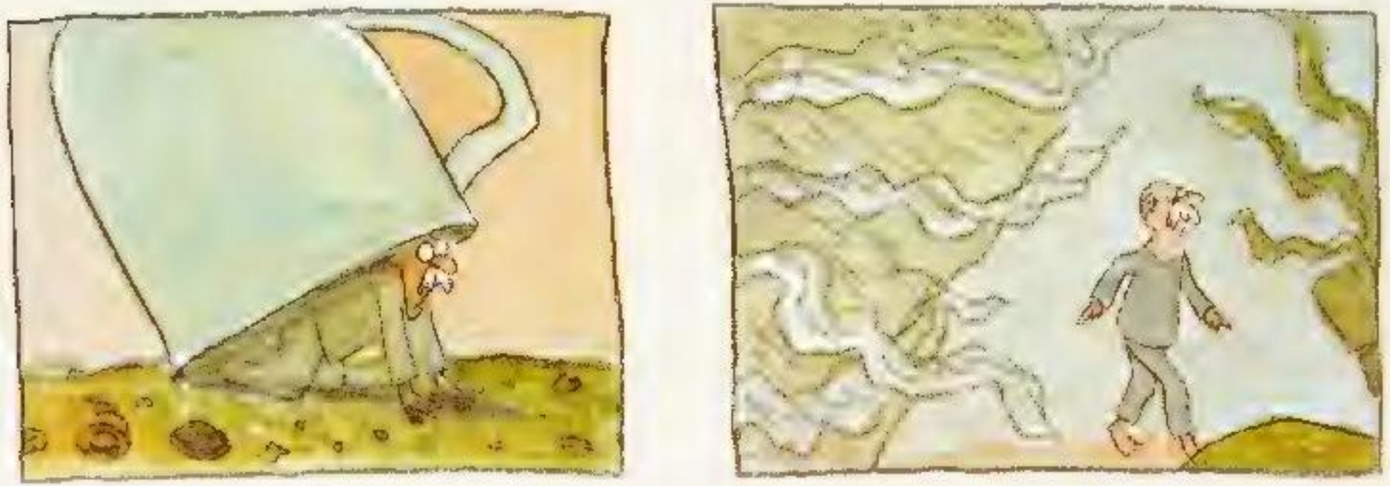
और समुद्र में उतर गया। मैं लगभग एक मील नीचे तक डूब गया।



मैंने एक विशाल स्वर्ण मछली को अपनी तरफ़ आते देखा।



मैंने जितनी तेज़ी से हो सका, तैरकर भागना शुरू किया
और एक प्याले के नीचे छिप गया जिसमें हवा थी।



जब सुरक्षित हो गया, तो मैं रेंगकर बाहर आया।
मैं चलने लगा, लेकिन मेरा पैर ..



एक विशाल झींगे की पकड़ में फंस गया।



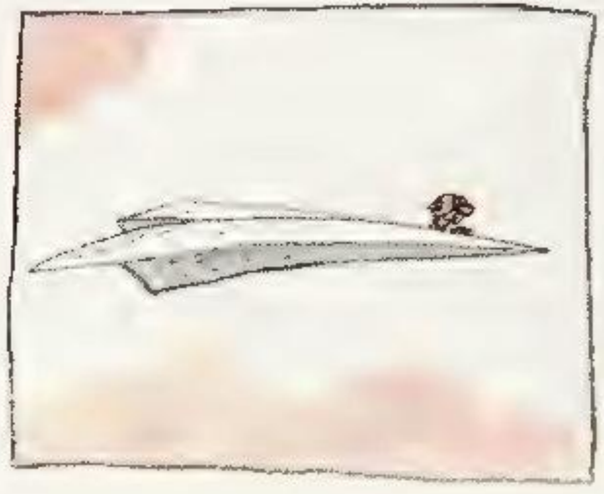

मुझे नहीं पता था कि क्या करूं, लेकिन तभी एक बड़ा स्क्विड आया



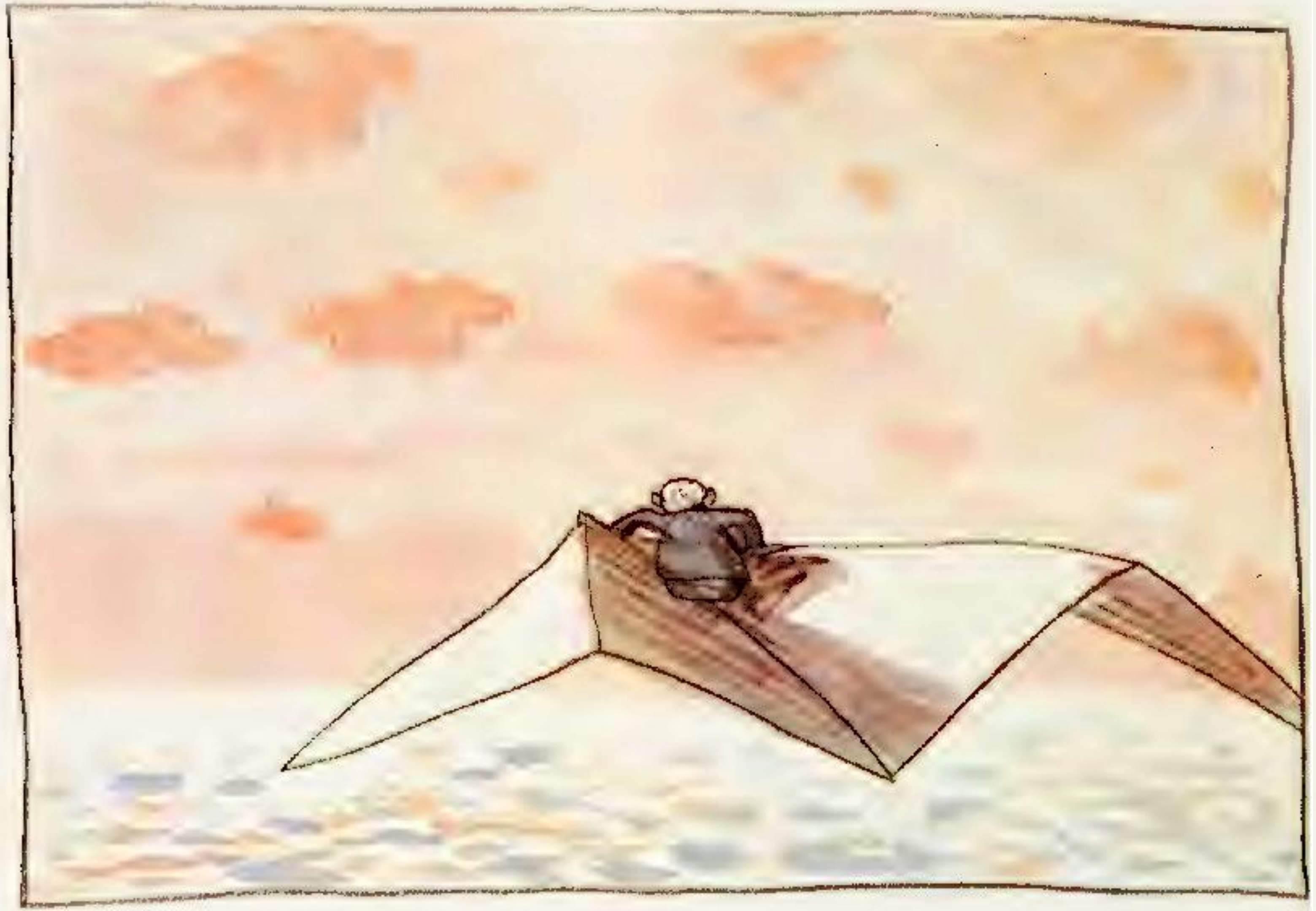

और उसने झींगे पर काली स्याही छिड़क दी। मैं बच निकला और ..




एक समुद्री कछुए पर सवारी कर ली जो थोड़ी धूप के लिए ऊपर जा रहा था। रास्ते में मुझे तैरती हुई टोस्ट की एक स्लाइस मिली, जिससे मैं किनारे तक पहुँचा।

वहाँ मुझे अख़बार मिला, जिसे मैंने हवाई जहाज़ बना लिया



और समुद्र पार कर उड़ गया





और वापस घर अपने बिस्तर पर आ गया।



अब, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?"



कुछ और भी बुरा
हो सकता था!

